>

Title: Regarding terrorist attack in Srinagar.

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): मैडम, मैं इस विषय पर दो मिनट बोलना चाहता हूं। मेरी कांस्टीट्वेंसी का एक जवान शहीद हुआ है और मैं यहां बोल नहीं सकता हूं।

अध्यक्ष महोदया : अच्छा बोल लीजिए। Please be very brief.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप लोग क्यों बोल रहे हैं। सभी लोगों को बोलने के समय नहीं दे सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): मैडम, जवानों के मामले में हम लोगों को भी बोलने का मौका दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यशवंत सिन्हा जी, आप जल्दी बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : मैडम, मेरी कांस्टीट्वेंसी का, मेरे शहर का एक जवान कल श्रीनगर में शहीद हो गया। सुभाष सौरव बाडरा एक अनुसूचित जनजाति का नौजवान था, जिसकी कल शहादत हो गयी श्रीनगर में।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down. Don't disturb the House.

...(*Interruptions*)

श्री यशवंत सिन्हा : मैं समझता हू कि मेरा हक बनता है इस सदन में उस बात को रखने का, क्योंकि मेरी कांस्टीट्वेंसी का, मेरे शहर का एक जवान शहीद हुआ है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : योगी आदित्यनाथ जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आप शांत रहिए। आप योगी हैं। आप शांत रहिए।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): मैडम, एक माननीय सदस्य बोल रहे हैं, तो ये लोग बार-बार डिस्टर्ब क्यों कर रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप हर समय इतना क्रुद्ध क्यों हो जाते हैं। आप क्रोधित मत हुआ कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : मैडम, जैसा नेता प्रतिपक्ष ने कहा, यह मामला उनके लिए भी और मेरे लिए भी एक व्यक्तिगत मामला बन गया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। अब आपकी बात आ गयी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : यह एक घोर त्रासदी है। It is a great tragedy that our great country has not been able to deal with terrorism. इतने दिनों से इस देश के ऊपर आतंकवादी हमले हो रहे हैं और हम लोग आज तक उनसे नहीं निपट पाए हैं। क्या यह मुल्क असहाय है? मैं आपके माध्यम से गृहमंत्री जी से पूछना चाहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री शिवराम गौड़डा,

श्री रमेश विश्वनाथ काड़ी श्री यशवंत सिन्हा जी द्वारा उठाए गए विषय से सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप लोग बैठ जाइए। गृहमंत्री जी को जवाब देने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)